19.09.23 पत्रावली पेश। वकील वादी एवं पैरोकार राज. उपस्थित। वकील वादी एवं पैरोकार राज. द्वारा बहस की गई। बहस सुनी गई। बहस पर मनन करने एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर वादी का वाद पत्र स्वीकार योग्य होने के कारण स्वीकार किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से लिखवाया जाकर संलग्न पत्रावली किया गया। पत्रावली आज तारीख तकमील होकर दाखिल दफ्तर हो।

निर्णय लिखवाया जाकर खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(अमिता बिश्नोई)
RoAoSo